



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 390]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 7, 1977/भाद्र 16, 1899

No. 390]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 7, 1977/BHADRA 16, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्थ संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 7th September 1977

S.O. 662(E).—whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry No SO 337(E), dated the 16th May, 1977, the management of the industrial undertaking known as Messrs Khardah Company Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of the 15th May, 1982; And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary as to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely Jute Industry,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No F. 3/3/74-CUC]

P. C NAYAK, Jt. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1977

का०आ० 662(अ) —यत् भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के आदेश स० का० आ० 337 (ई) तारीख 16 मई, 1977, द्वारा खारदाह कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक के अधीन 15 मई, 1982 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिये, ग्रहण कर लिया गया है,

और यत् केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में, अनुसूचित उद्योग, अर्थात् जूट उद्योग, में उत्पादन के परिमाण में कमी को रोकने की दृष्टि से, जन-साधारण के हितों में ऐसा करना आवश्यक है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 18 चख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा यह घोषणा करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पत्राचारों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनमें भिन्न, जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से सम्बन्धित हैं) प्रवर्तन, जिनका उक्त औद्योगिक उपकरण या ऐसे औद्योगिक उपकरण का स्वामित्व रखने वाली कंपनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कंपनी को लागू हो, एक वर्ष की अवधि के लिये निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेष अधिकार, बाध्यताएँ और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे।

[सं० फा० 3/3/74-जी यू सी]

पी० सी० नायक, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977